A–969

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

MASL–203

M.A. Sanskrit (MASL)

(सिद्धान्तकौमुदी कारक एवं समास प्रकरण)

2nd Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए–

   (क) चतुर्थी सम्प्रदाने

   (ख) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

   (ग) स्वतन्त्रः कर्ता

   (घ) आधारोऽधिकरणम्

अथवा

समास को परिभाषित करते हुए अव्ययीभाव समास को उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित को सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए–

   (क) निर्मक्षिकम्

   (ख) गोसुखम्

   (ग) राजपुरुषः

   (घ) पौर्वशालः

अथवा

'दुह्याच्पच्दण्ड्रुधिप्रच्छिचिब्रुशासुजिमथ्मुषाम्।' कारिका की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** रूपों की सिद्धि सूत्रनिर्देशपूर्वक कीजिए–

   (क) भवति

   (ख) एधामहे

   (ग) पक्ष्यति

   (घ) भक्ष्यति

अथवा

"प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा" सूच वृत्ति एवं उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

4. 'नमः स्वतिस्वाहास्वधाऽलं वषड्योगाच्च' इस सूत्र की सोदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

5. निम्नलिखित को सूत्रोंल्लेखपूर्वक सिद्ध कीजिए–

   (क) अधिगोपम्

   (ख) द्वियमुनम्

   (ग) अब्राह्मणः

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कर्मधारय समास किसे कहते हैं ? उदाहरण पूर्वक वर्णन कीजिए।

2. भवामि एवं एधते रूप की सूत्र सहित सिद्धि कीजिए।

3. 'लः कर्मणि च भावे चाऽकर्मकेभ्यः' सूत्र की व्याख्या करते हुए सर्कमक एवं अकर्मक का विवेचन कीजिए।

4. 'चोरभयम्' प्रयोग की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए।

5. बहुब्रीहि समास किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

6. द्वन्द्व समास के किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए।

7. 'कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

8. 'कर्तुरीप्सिततमं कर्म' सूत्र में तमब्ग्रहण का प्रयोजन लिखिए।

****